बिन्ना बन गई परिवार की लाड़ली

❐ जी.एस.ठाकुर

मध्यप्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देकर बालिकाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने सरकार पूरे मन से जतन कर रही है। इस दिशा में तेजी से किये जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप बच्चियों की परिवार में अच्छी खासी पूछ-परख बढ़ गई है। सरकार द्वारा एक गांव से दूसरे गांव पढ़ने जाने वाली 6वीं और 9वीं में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें दी जा रही हैं। साथ ही कक्षा पहली से आठवीं तक की छात्राओं को दो जोड़ी गणवेश और पहली से 12 वीं तक की छात्राओं को पाठ्य पुस्तक दी जा रही है। इससे स्कूल में पढ़ रही बालिकाओं में शिक्षा के प्रति जहाँ ललक पैदा हो रही है वहीं अब परिवारों में बच्चियों के प्रति परिवारजन की सोच में भी बदलाव आने लगा है। अब बिन्ना परिवार की लाड़ली बन गई। यहाँ स्पष्ट कर देना उचित होगा कि बुंदेलखण्ड में खासकर ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों में लड़की को 'बिन्ना' कहकर संबोधित किया जाता है। इस 'बिन्ना' शब्द में परिवार का लाड़-प्यार, दुलार समाहित है।

दमोह में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया बालिकाओं को साइकिलें वितरित करते हुए

बिन्ना की बदौलत घर में नई साइकिल आना गरीब परिवार के लिये बहुत बड़ी बात सिद्ध हो रही है। नई साइकल के साथ नई गणवेश पहनकर जब ये लड़कियां घर से निकलकर स्कूल के लिये निकलती हैं तो माँ-बाप को अलग किस्म की खुशी का अनुभव होता है।

बीते दिवस प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने दमोह जिले की पथरिया और बटियागढ़ जनपद के अनेक गांवों के स्कूलों में जा-जाकर छात्राओं को जब साइकल और गणवेश वितरित की तो साइकल और गणवेश ले रही छात्राओं के चेहरे पर स्पष्ट तौर से खुशी दिखाई दे रही थी। कल तक जिस परिवार में लड़की बोझा बन रही थी सरकार की नीति से अब स्थिति उलट हो रही है।

साइकल-गणवेश वितरण के कार्यक्रम के दौरान जिन 37 छात्राओं को साइकल मिली उनमें अधिकांश छात्राएं इतनी गरीब परिवार से हैं जिनके परिवार में आज तक साइकल नहीं रही। अब साइकल मिलने से उनकी एवं उनके परिवार जन की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। एक जोड़ी पहनने के कपड़ों में वर्ष गुजार देने वाली इन गरीब परिवार की बच्चियों के लिये दो जोड़ी गणवेश भी अपने आप में बड़ी बात है। ये छात्राएं सरकार की शुक्रगुजार हैं कि मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान बेटियों के लिये ढेर सारी सुविधाएं दिला रहे हैं।

जिले में सप्ताह के ही भीतर प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री तथा दमोह जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोपाल भार्गव और किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने बच्चियों को साइकल और गणवेश वितरित कर इस पुनीत कार्य की शुरुआत कर दी है। प्रभारी मंत्री श्री भार्गव ने पथरिया जनपद के ग्राम जोरतला में आयोजित स्कूल चलें हम अभियान के तहत नौ बच्चियों और कृषि मंत्री डॉ. कुसमरिया ने पथरिया जनपद के ग्राम सासा में छह, ग्राम सुजनीपुर में छह, लखरौनी में 10 और बटियागढ़ ब्लाक के ग्राम खड़ेरी में तीन, बेलखेड़ी में 18 और घूघस में चार छात्राओं को साइकल और गणवेश वितरित किये।

लखरौनी में जिन 10 बच्चियों को साइकल मिली उनमें 6 वीं में इस वर्ष बनसौली ग्राम की प्रवेशरत छात्रा कु. हल्ली, कु. कल्पना, कु.शांति ने बताया कि उनके परिवार में अभी तक साइकल नहीं है, सरकार ने साइकल दी है, हम रोज स्कूल आयेंगे। भैया को भी साइकल चलाने देंगे। इन बच्चियों की खुशी का इससे अच्छा उदाहरण और क्या हो सकता है कि 'भैया को भी साइकल चलाने देंगे।' इसी तरह का कहना था कु. शिवानी, कु. मीना, कु. रजनी, कु. लीला, कु. आरती, कु. सुषमा और कु. सत्यभामा का।

गौरतलब है कि दमोह जिले में इस वर्ष 6वीं में प्रवेशरत होने वाली लगभग 3630 छात्राओं को साइकल वितरण का लक्ष्य है। इसमें से 3226 साइकल हेतु 74 लाख 19 हजार 800 रुपये की राशि जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी की जा चुकी है। इसी तरह 9वीं के लिये 4100 साइकल वितरण का लक्ष्य निर्धारित है।

(लेखक सहायक संचालक जनसंपर्क, दमोह हैं।)